

खेत खलिहान-2

“ गुदगुदी तो संजना के दिल की गहराई में भी हो रही थी, वो भी इस सारे क्रिया कलाप से रोमांचित थी लेकिन नारी सुलभा लज्जा और पहली बार का डर... उसके इस रोमांच को दबा दे रहे थे. वो सोच रही थी कि 'क्या करेगा यह ?' संजाना को पता सब कुछ था लेकिन फिर भी खुद के मन को समझाने के लिए खुद से अनजान बन रही थी. ... ”

Story By: (happy123soul)

Posted: शुक्रवार, मई 18th, 2018

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [खेत खलिहान-2](#)

खेत खलिहान-2

देसी कहानी का पहला भाग : खेत खलिहान में देसी छोरियों का यौवन का खेल-1

सुरेश ने भी चाहा था मजाक करना, लेकिन अब यह अंतिम बात उसकी मर्दानगी पर चोट कर गई ; उसने सीधी चुनौती दी- हाँ, मैं दोनों को एक साथ सम्हाल सकता हूँ ; देखोगी ?

लड़कियों की हँसी रुक गई। सुरेश उठ खड़ा हुआ। दरवाजे से निकलकर बाहर चारों तरफ देखा और फिर अंदर आकर दरवाजा बंद करके कुंडी लगा दी। संजना के कलेजे में हवा भर कर एकदम से निकल गई। गुदगुदी तो संजना के दिल की गहराई में भी हो रही थी, वो भी इस सारे क्रिया कलाप से रोमांचित थी लेकिन नारी सुलभा लज्जा और पहली बार का डर... उसके इस रोमांच को दबा दे रहे थे. वो सोच रही थी कि 'क्या करेगा यह ?' संजाना को पता सब कुछ था लेकिन फिर भी खुद के मन को समझाने के लिए खुद से अनजान बन रही थी.

मगर रेणु खुश हो गई ; वह चाह रही थी कुछ हो। और जब संजना थी तो यह 'कुछ होने' का खयाल उसे रोमांचित कर रहा था।

सुरेश ने गमछा अपने बदन से उतार फेंका, दोनों के सामने आकर पंजों के बल बैठता हुआ बोला- बोलो, पहले किसका चुम्मा लूँ ? संजना को डर लगा। मर्दाना शरीर, ऊपर से खुला, नीचे जींस के खुरदरे कपड़े में ढका हुआ... उसका दिल जोर जोर धड़कने लगा। आश्चर्य कि उसे दिल के साथ अपनी योनि में भी धड़कन महसूस हुई।

लेकिन रेणु को सुरेश की यह हुक्म देने वाले मालिक की अदा सीधे दिल में घुस गई, बोली-
वाह, मेरे शेर!

सुरेश को यह 'मेरे शेर' का संबोधन और सुलगा गया ; उसने रेणु का चेहरा अपने हथेलियों
के बीच पकड़ा और उसे सीधे उसे चूमने लगा।

संजना उठकर भागने लगी, लेकिन उसने उसका हाथ पकड़ कर खींच लिया ; वह सीधे
बिस्तर पर आ गिरी।

“देखोगी नहीं, गंगाराम को लड़की पसंद है कि नहीं ?”

“वो... मैं... मैं मजाक कर रही थी।” संजना अटकते हुए बोली ; उसका हाथ सुरेश की
पकड़ में कसमसा रहा था।

“थोड़ा मजाक मेरी तरफ से भी !” उसने संजना का दूसरा हाथ भी पकड़ लिया।

“क.. क... क्या करोगे मुझे ?” संजना हकला गई ; कहीं रेणु के बाद वह उसे ही तो नहीं
चूमेगा ; उसने मदद के लिए रेणु की ओर देखा ; रेणु खुद अपने होठों पर चुम्बन के नशे में
खोई थी।

सुरेश को यँ भी रेणु की तरफ से एतराज की उम्मीद नहीं थी, लेकिन जो कुछ कसर थी वह
भी दूर हो गई।

सुरेश को संजना का डरा चेहरा देखकर खुशी और दया दोनों आई।

संजना घबरा सी गयी, बोली- हाथ छोड़ दो मेरा !

“जाओगी नहीं, वादा करो।” सुरेश ने उसके दोनों हाथों को हिलाते हुए कहा।

“वाह, ये वादा कैसे दिया जा सकता है ?” संजना ने चेहरा घुमा लिया।

“कोई बात नहीं, तब अपने दोस्त का साथ दो।”

इस 'साथ देने' का क्या मतलब है ? संजना चिंतित हो उठी।

“तुम्हारी सहेली ने चुम्मा दिया। तुम नहीं दोगी ?”

संजना मचलने लगी ।

“क्यों, अब तक किसी ने तुम्हें चूमा नहीं ?”

संजना उसकी पकड़ से हाथ छुड़ाती रही ।

“क्या रेणु ? इसको ?”

रेणु बोली- पता नहीं... शायद नहीं...

सुरेश ने अब संजना से सवाल किया- और तुम्हें रेणु के बारे में पता है ?

संजना चुप कसमसाती रही ।

सुरेश ने हाथ को झकझोर कर फिर पूछा ; संजना ने इनकार में सिर हिला दिया ।

सुरेश को आशाजनक संकेत मिला कि चलो इसने जवाब तो दिया ; यह ज्यादा दूर नहीं जाएगी ।

“हम दोनों बहुत अच्छे दोस्त हैं...”

संजना का मन व्यंग्य से भर गया ; दिख रहा है कैसे अच्छे दोस्त हैं दोनों ।

“और तुम्हें भी अपना उतना ही अच्छा दोस्त बनाना चाहते हैं ।”

मतलब इतना साफ हो गया कि संजना छटपटाने लगी ।

सुरेश ज्यादा बहस के मूड में नहीं था ; उसके हाथों पर अपनी पकड़ मजबूत करता हुआ

बोला- अगर तुम नहीं चाहती तो तुमको कुछ नहीं करूंगा । चुपचाप बैठी रहो... बस !

उसकी आवाज गंभीर थी... धमकी लिए- लेकिन अगर तंग करोगी तो...

बात का पूरा असर छोड़ने के लिए एक क्षण रुका- ...पहले तुम्हीं को करूंगा !

संजना की चेतना पर जैसे कोई चट्टान धड़ाम से गिरी, उसने फिर दरवाजे की तरफ देखा ।

सुरेश ने जोड़ा- बाहर दूर तक कोई नहीं है, चिल्लाने से कोई फायदा नहीं ।

कहकर उसने संजना का हाथ छोड़ दिया ।

इस खुली धमकी की उपेक्षा करना मुश्किल था। संजना ने मजाक की याद दिला कर छुटकारे को कोशिश की- अच्छा हो गया न मजाक, अब छोड़ो।

“छोड़ तो दिया, कहाँ पकड़े हूँ।”

संजना फिर उठने को हुई।

इस बार रेणु बोली- ऐ संजना, कहाँ जाती है, बैठ ना!

इस बार सुरेश ने संजना को न केवल पकड़ा, बल्कि उसको खींचकर चूम भी लिया। संजना को ‘आगे क्या आने वाला है’ उसकी आहट मिल गई।

“मैंने कहा था न कि परेशान करोगी तो पहले तुम्हीं को करूंगा।”

संजना दुविधा में हो गयी... दिल कह रहा है संजना आज हो लेने दे पहली बार... दिमाग कह रहा है- नहीं, यह गलत है.

सुरेश को उसकी रोनी सूरत देखकर मन हुआ उसको बाँहों में समेटकर खूब चूसकर चुम्बन ले, उसने रेणु को एक बाँह में समेटते हुए संजना से कहा- बाहर बहुत तेज धूप है। थोड़ी ‘गरमी’ निकल जाने दो, चली जाना।

फिर रेणु से पूछा- क्यों, सही है ना ?

रेणु को ऐसे द्विअर्थी संवादों में मजा आता था, वह हँस पड़ी।

सुरेश ने रेणु के चेहरे को अपने चेहरे पर खींच लिया।

संजना को अगर खुद का भय न होता तो वह इस दृश्य का आनंद लेती ; उसे अचम्भा हो रहा था कि रेणु उसी की उमर की है मगर कितनी ‘फॉरवर्ड’ है!

चुम्बनों के क्रम में रेणु की नजर क्षणभर के लिए संजना से मिली ; उसने मन में सोचा ‘इस लड़की का भी ‘हो’ ही जाना चाहिए। एक बार ‘लगवा’ ली तो फिर मेरी राजदार और मददगार बनकर रहेगी ; दोनों मिलकर मजे लेंगे।’

रेणु के वक्ष ऊपर-नीचे हो रहे थे, सुरेश के हाथ उन पर घूम रहे थे। संजना ने नजर घुमा

लेना चाहा, मगर आँखें वहीं फँसी रहीं।

सुरेश उसके गले पर उतरा, कंठ की काँपती त्वचा पर चुम्बन पड़ा।

“आह...” की पहली आवाज संजना के कानों में पड़ी।

सुरेश ने रेणु के कुरते में नीचे से हाथ घुसा दिया, उसके उरोजों को सहलाने लगा। रेणु ऐसे मचलने लगी जैसे किसी थैले के अंदर तड़पती मछली।

संजना उलझन में थी ; उसके सामने ही ये दोनों... कितने बेशर्म हैं!

रेणु हँस रही थी ; उसका सुरेश का कुरते के अंदर हाथ पकड़ने की कोशिश करना रोकने की अपेक्षा खेलना अधिक लग रहा था। वह हँसते खिलखिलाते हुए सुरेश से और सट गई और उससे चिपक कर ही अपने वक्षों को बचाने की कोशिश करने लगी। सुरेश एक हाथ से उसकी पीठ थामे था और दूसरे हाथ से उसके वक्षों से खेल रहा था ; उसने रेणु के कुरते का निचला सिरा पकड़कर ऊपर खींचा और संजना से कहा- अपने मोजे उतार दो।

संजना स्कूल ड्रेस पहने थी, सफेद शर्ट, नीली स्कर्ट, सफेद मोजे। गरमी में पूरी शलवार-फ्रॉक की जगह यही उसे 'हवादार' ड्रेस लगी थी। वह दुविधा में पड़ गई 'क्या करे?' मोजे उतारे या नहीं। बात नहीं मानने पर सुरेश फिर उससे जबरदस्ती तो नहीं करेगा।

सुरेश रेणु का कुर्ता आधा उठाए रुककर उसे देख रहा था। रेणु भी उसे उतनी ही उत्सुकता से देख रही थी। आधे उठे कुरते से उसका थोड़ा सा पेट और सफेद ब्रा का निचला हिस्सा झाँक रहा था।

आखिरकार संजना ने अपने मोजे खोल दिए। सुरेश को, और रेणु को भी, राहत मिली। दोनों को और पक्का यकीन हो गया कि यह लड़की ज्यादा दूर नहीं जाएगी।

सुरेश ने रेणु का कुरता झटाक से ऊपर खींच लिया। रेणु ने भी हाथ उठा दिए। सुरेश ने कुरता संजना की ओर बढ़ा दिया। संजना ने ले लिया, किंतु पसीने से गीले कुरते को संजना यूँ ही जमीन पर नहीं डाल सकी। उसने उसे बगल की ढेर पर सूखने के लिए फैला दिया।

सुरेश को उसकी यह हरकत बहुत ही अच्छी लगी ; यह रेणु की तरह सस्ती लड़की नहीं है ; इसकी दुष्टता पर भी यह उसके प्रति दयावान है । उसने हाथ बढ़ाकर उसकी कमीज में उंगली घुसाई और बोला- तुम भी उतार दो । गीली है, सूख जाएगी । हड़बड़ाकर संजना ने अपने दोनों हाथों को सीने पर जोड़ लिया ; उसे इसकी आशंका थी- अपने मोजे और रेणु का कुरता उतरने के बाद से ही ।

इधर पुच-पुच के दो खिलंदड़े चुम्बन । ब्रा-ढकी छातियों को दबाने की ठिठोली और खिलखिलाहटें । संजना को अपनी दोस्त को अधनंगी अवस्था में यूँ खिलखिलाते और अपनी छातियों का मर्दन करवाते देखकर बड़ा अजीब लगा । क्या मजा ले रही है ये ! क्या मेरे साथ भी ऐसा होने वाला है ?

संजना को लगा वह भी क्यों नहीं राजी होकर इसका आनंद उठा रही है ? और यह रेणु कैसे एकदम से उसको छोड़कर सुरेश की तरफ चली गई है ।

सुरेश ने फिर कहा- अरे, उतार दो ना । फालतू की तुड़-मुड़ जाएगी और इसके बटन भी टूट जाएंगे ।

“बटन टूट जाएंगे ? तो क्या वह जबरदस्ती करेगा ?” संजना ने अपने सीने पर हाथ और जोर से कस लिए ।

“उतार दो ना संजना, सूख जाएगी ।” रेणु ने सुरेश की धमकी को हँसी में बदलने की कोशिश की ।

सुरेश रेणु के ब्रा के कप की किनारी पकड़कर उठाता हुआ बोला, “देखो, यह भी कितनी गीली है । इसको भी उतारना पड़ेगा ।”

“धत...” रेणु ने सुरेश को हाथ से हल्की चोट की ।

“संजना, बताओ तो कैसी लग रही है तुम्हारी दोस्त इस ड्रेस में ?” सुरेश ने संजना से पूछा ।

रेणु ने शर्मा कर सुरेश के गले में बाँहें डाल दीं- तुम बड़े बेशरम हो ।

सुरेश हँस पड़ा ; चिपकने से उसको और सुविधा हो गई थी ; वह आराम से दोनों हाथ उसकी पीठ पर ले जाकर ब्रा की हुक खोलने लगा ।

तने हुए फीतों के नन्हें हुक खोलना इतना आसान नहीं था । रेणु उसके अनाड़ीपन का मजा ले रही थी । कुछ देर की कोशिश से एक हुक तो खुल गया, एक अटक गया । उसने संजना से कहा- तुम मदद करो ना ।

रेणु ने खुद ही अपने हाथ पीछे ले जाकर हुक खोल दिया ; हँस कर बोली- ऐसे ही दो-दो को सम्हालोगे ?

कहकर वह पुनः उससे लिपट गई ।

सुरेश इस ताने से तड़प गया 'छोड़ूंगा नहीं इन दोनों को ।' संजना अगर साथ में नहीं होती तो वह अब तक रेणु पर चढ़ भी चुका होता । उसने रेणु के कंधों से फीते सरकाए और बाँहें फंदे से निकाली और ब्रा निकालकर फेंक दी ।

संजना सिहर उठी ।

रेणु की छातियाँ सुरेश के सीने पर दबकर चपटी हो गई । किनारे से उभर गए माँस में ही एक चूचुक का कालापन झाँक रहा था । सुरेश उसकी कनपटी पर, बालों की जड़ पर इधर उधर चूम रहा था । उसे अपने बदन से दबा कर अपने सीने से उसके स्तनों को मसल रहा था । उसके गले में रेणु की पकड़ ढीली पड़ती जा रही थी- आह.. आह... आऽऽह...

संजना बार-बार दरवाजे की तरफ देख रही थी ; आखिरकार बोल पड़ी- बाहर कोई...

सुरेश को जैसे होश आया, वह उठा और दरवाजा खोल कर बाहर निकल कर देखने लगा ।

कहानी जारी रहेगी.

happy123soul@yahoo.com

देसी कहानी का तीसरा भाग : [खेत खलिहान में देसी छोरियों का यौवन का खेल-3](#)

Other stories you may be interested in

खेत खलिहान-4

कहानी का पहला भाग : खेत खलिहान-1 कहानी की तीसरा भाग : खेत खलिहान-3 रेणु ने रोका, "ऐ, क्या करते हो।" सुरेश उसके स्तनों पर झुक गया। उनकी दोनों कलियों को चूमने और चूसने लगा। एक को चूसता तो दूसरे को हाथ से [...]

[Full Story >>>>](#)

अमीर भाभी और उनकी सहेली के साथ ग्रुप सेक्स

दोस्तो, मैं शुभम आगरा से हूँ. आपने मेरी पिछली सेक्स स्टोरी भाभी जी की जम कर चुत चुदाई की स्टोरी को बहुत पसंद किया. आप लोगों बहुत सारे मेल आए, इसके लिए आप लोगों का बहुत बहुत धन्यवाद. मेरी पिछली [...]

[Full Story >>>>](#)

देसी लड़की प्यार कामुकता और सेक्स

नमस्कार दोस्तो, मेरा नाम राज है और मैं दिल्ली का रहने वाला हूँ। मैंने अन्तर्वासना पर कई कहानियां पढ़ी हैं, कुछ अच्छी भी लगी कुछ सिर्फ काल्पनिक भी लगी। पर ये सब कहानियां पढ़कर मैं भी अपनी जिंदगी का एक [...]

[Full Story >>>>](#)

मैं कॉलगर्ल कैसे बन गई-3

अब तक आपने पढ़ा था कि कुसुम ने मुझे रंडी बनने की ट्रेनिंग देना शुरू कर दी. उसने मुझे पीने के लिए एक शरबत दिया और बोली- डियर अब खुल कर सेक्सी वर्ड्स यूज करना सीख लो. तुम्हारी पहली क्लास [...]

[Full Story >>>>](#)

खेत खलिहान-3

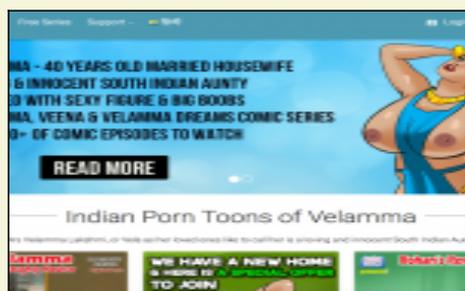
देसी कहानी का दूसरा भाग : खेत खलिहान में देसी छोरियों का यौवन का खेल-2 रेणु की छातियाँ सुरेश के सीने पर दबकर चपटी हो गईं। किनारे से उभर गए माँस में ही एक चूचुक का कालापन झाँक रहा था। सुरेश [...]

[Full Story >>>>](#)



Other sites in IPE

Velamma



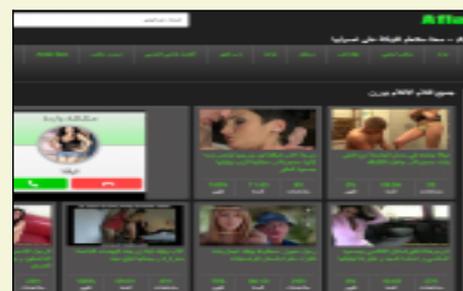
URL: www.velamma.com **Site language:** English, Hindi **Site type:** Comic / pay site **Target country:** India Vela as her loved ones like to call her is a loving and innocent South Indian Aunty. However, like most of the women in her family, she was blessed with an extremely sexy figure with boobs like they came from heaven!

Indian Sex Stories



URL: www.indiansexstories.net **Average traffic per day:** 446 000 GA sessions **Site language:** English and Desi **Site type:** Story **Target country:** India The biggest Indian sex story site with more than 40 000 user submitted sex stories.

Aflam Porn



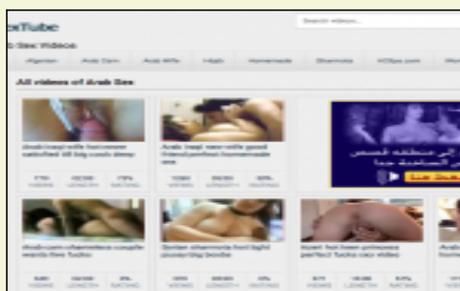
URL: www.aflamporn.com **Average traffic per day:** 270 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Video **Target country:** Arab countries Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site is intended for Arabic speakers looking for Arabic content.

Tamil Scandals



URL: www.tamilscandals.com **Average traffic per day:** 48 000 GA sessions **Site language:** Tamil **Site type:** Mixed **Target country:** India Daily updated hot and fun packed videos, sexy pictures and sex stories of South Indian beauties in Tamil language.

Arab Sex



URL: www.arabicsextube.com **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** English **Site type:** Video **Target country:** Egypt and Iraq Porn videos from various "Arab" categories (i.e Hijab, Arab wife, Iraqi sex etc.). The site is intended for English speakers looking for Arabic content.

Wahed



URL: www.wahedsex.com/ **Average traffic per day:** 80 000 GA sessions **Site language:** Arabic **Site type:** Story **Target country:** Arab countries The largest library of hot Arabic sex stories that contains the most beautiful diverse sexual stories written in Arabic.